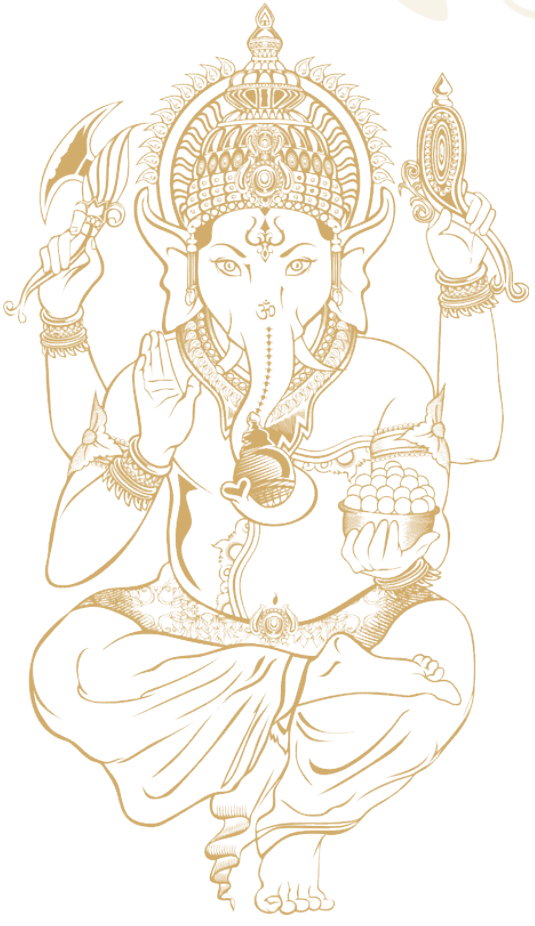

Mr.Gyandeep

Ms.Manisha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120524105

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/11/1997	जन्म तिथि	19/11/2001
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 19:00:00	जन्म समय	11:00:00 घंटे
घटी 30:18:44	जन्म समय(घटी)	10:10:04 घटी
India	देश	India
Nawashahr	स्थान	Nawashahr
31:06:00 उत्तर	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
76:09:00 पूर्व	रेखांश	76:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:24	स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:52:30	सूर्योदय	06:55:58
17:27:23	सूर्यास्त	17:25:32
23:49:33	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:42

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 8वर्ष 2मा 15दि		25:16:45	वृष	लग्न	धनु	27:26:09	शुक्र 7वर्ष 9मा 24दि	
राहु		29:23:42	तुला	सूर्य	वृश्चि	03:04:15	मंगल	
30/01/2013		12:23:16	वृष	चंद्र	धनु	21:27:20	13/09/2025	
31/01/2031		10:57:07	धनु	मंगल	मक	21:53:54	13/09/2032	
राहु	14/10/2015	17:31:44	वृश्चि	बुध	तुला	24:08:32	मंगल	09/02/2026
गुरु	08/03/2018	20:36:46	मक	गुरु व	मिथु	21:21:18	राहु	28/02/2027
शनि	12/01/2021	16:05:02	धनु	शुक्र	तुला	19:29:42	गुरु	04/02/2028
बुध	02/08/2023	20:32:42	मीन व	शनि व	वृष	18:45:29	शनि	14/03/2029
केतु	19/08/2024	23:36:13	सिंह व	राहु	मिथु	03:32:05	बुध	12/03/2030
शुक्र	20/08/2027	23:36:13	कुंभ व	केतु	धनु	03:32:05	केतु	08/08/2030
सूर्य	14/07/2028	11:20:46	मक	हर्ष	मक	27:11:22	शुक्र	08/10/2031
चन्द्र	12/01/2030	03:44:33	मक	नेप	मक	12:24:13	सूर्य	13/02/2032
मंगल	31/01/2031	11:10:10	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	20:32:33	चन्द्र	13/09/2032

लग्न-चलित

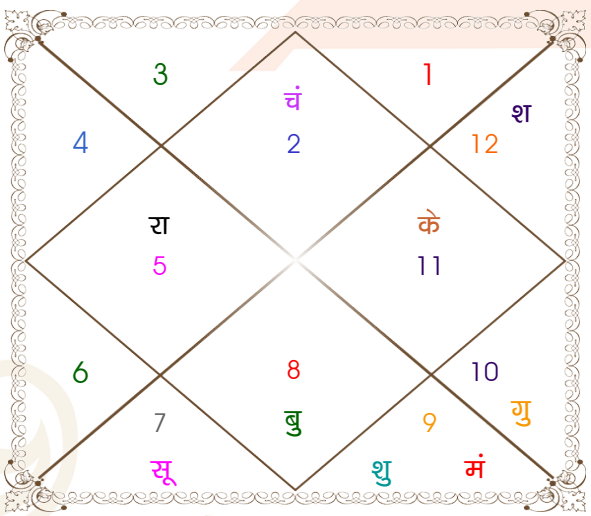

लग्न-चलित

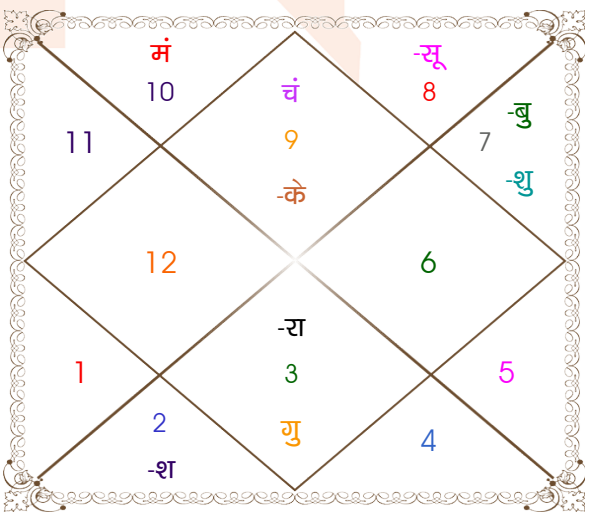

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.Gyandeep का वर्ग गरूड़ है तथा डेण्डंदर्पी का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Gyandeep और डेण्डंदर्पी का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Gyandeep मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

डेण्डंदर्पी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण्डंदर्पी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Gyandeep तथा डेण्डंदर्पी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।